News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

दिनांक : 01 जुलाई, 2024

राजर्षि टंडन की पुण्यतिथि पर कुलपति ने कर्मचारियों का किया सम्मान

राजर्षि टंडन की पुण्यतिथि पर मुविवि में श्रद्धांजलि सभा

टंडन जी की स्मृति में मुक्त विश्वविद्यालय में एक माह तक होंगे विविध आयोजन

भारतरत्न पुरुषोत्तम दास टंडन
जन्म 01 अगस्त 1882, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, भारत
मृत्यु 01 जुलाई 1962 (उम्र 79)
व्यवसाय राजनेता, स्वतंत्रता सेनानी
रानैतिक पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
पुरस्कार भारतरत्न (1961)

पुण्यतिथि पर राजर्षि टंडन को मुक्त विश्वविद्यालय ने दी श्रद्धांजलि

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारतरत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की पुण्यतिथि पर दिनांक 01 जुलाई, 2024 को विश्वविद्यालय के गंगा एवं सरस्वती परिसर में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी एवं विश्वविद्यालय के सदस्यों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

गंगा एवं सरस्वती परिसर में भारतरत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी

राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए माननीय कुलपति जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं उनके प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

राजर्षि टंडन जी की पुण्य तिथि के अवसर पर पौधा रोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० सत्यकाम जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 देवेश रंजन त्रिपाठी

माँ सरस्वती जी एवं राजर्षि टंडन जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय कुलपति जी एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुति

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

राजर्षि टंडन स्मृति दिवस के बारे में जानकारी एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यकम संयोजक प्रो.एस कुमार

राजर्षि टंडन जी के बारे में विश्वविद्यालय के शोध–छात्रों अंबुज पाण्डेय, दिलीप श्रीवास्तव, सत्येंद्र कुमार, लवप्रीत, सुश्री नित्या, सुश्री शिवा, सुश्री सौम्या तिवारी एवं श्रीमती कौमुदी शुक्ला ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के अगले चरण में विश्वविद्यालय के अध्यापकों डॉ. आनन्दानन्द त्रिपाठी, डॉ. सी के सिंह, प्रो. छत्रसाल सिंह, डॉ. देवेश रंजन त्रिपाठी, डॉ. अमित सिंह एवं डॉ. अतुल मिश्रा ने राजर्षि टंडन जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के बारे में विचार व्यक्त किये।

कर्मयोगियों का सम्मान

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में राजर्षि टंडन जी की पुण्यतिथि पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने विश्वविद्यालय के 36 कर्मयोगियों को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा विश्वविद्यालय के ये कुशल एवं अकुशल कर्मचारी अपने कठिन श्रम के माध्यम से विश्वविद्यालय में अपना योगदान देते हैं। राजर्षि टंडन के स्मृति दिवस पर विश्वविद्यालय इन कर्मचारियों का सम्मान करके राजर्षि टंडन जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि व्यक्त करता है।

मंचासीन विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने कहा कि राजर्षि टंडन हिंदी के सच्चे हिमायती थे। उन्होंने हिंदी को एक अलग पहचान दिलाई। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय उनके दिखाएं मार्ग पर चलने के लिए कृत संकल्पित है।

राजर्षि टंडन जी के मार्गदर्शन पर चलना होगा – प्रो0 सत्यकाम

माननीय कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय को राजर्षि टंडन जी के मार्गदर्शन पर चलना होगा तभी हम उनके सपनों को साकार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राजर्षि टंडन जी मातृभाषा की बात करते थे और आजादी के बाद लोग अपनी मातृ–भाषा को भूलते जा रहे हैं। नई शिक्षा नीति में मातृभाषा पर विशेष बल दिया गया है जो राजर्षि टंडन के आदर्शों के अनुरूप है।

कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने इस अवसर पर घोषणा की कि राजर्षि टण्डन जी के जन्मदिन तक पूरे एक माह के लिए विभिन्न प्रकार के आयोजनों की श्रृंखला प्रारंभ की जा रही है। जिसमें निबंध प्रतियोगिता, राजर्षि टंडन चित्रात्मक प्रतियोगिता एवं उनसे संबंधित व्याख्यान आयोजित किए जाएंगे तथा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। उन्होंने आज से ही राजर्षि टंडन के नाम परिसर में एक पौधा लगाने की भी शुरुआत की।

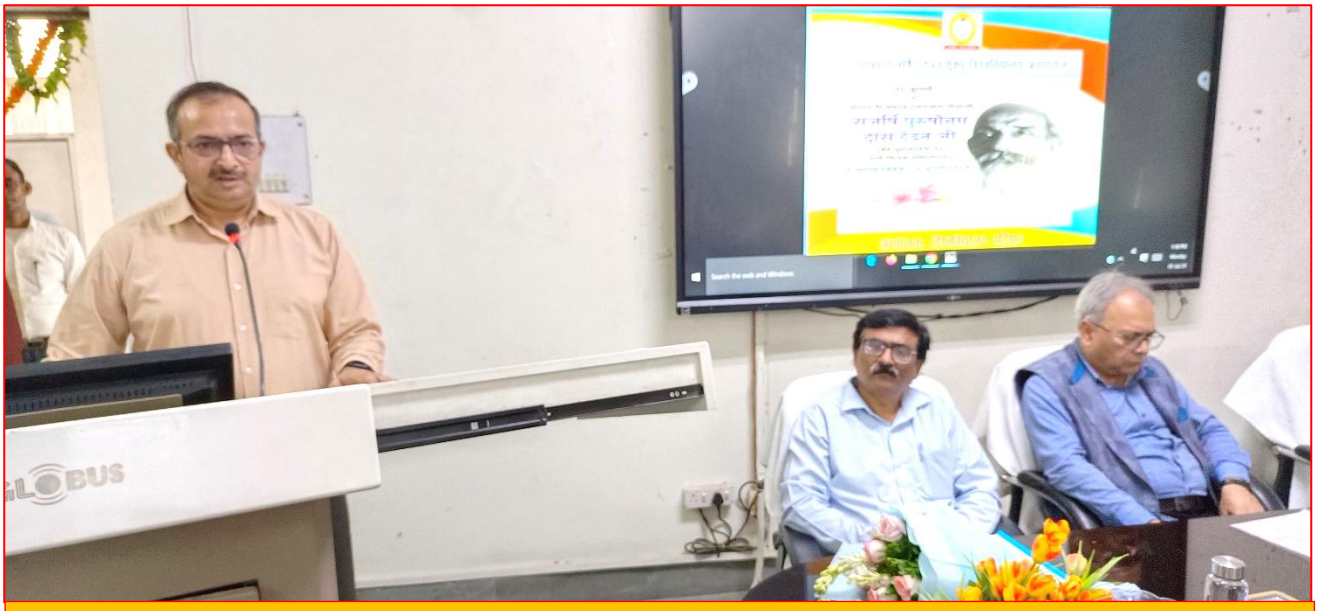

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान